REET 2025
LEVEL 1-2
वंदन बैच
GEOGRAPHY
कृषि
LIVE
07-02-2025 10:00 AM

राजस्थान में कृषि

→ ऐग्री कल्चर → लैटिन भाषा
↓ मृदा ↓ कृषि

→ कृषि संविधान की **राज्य सूची** का विषय है।

→ राजस्थान की प्रथम कृषि नीति - **2013**

→ राजस्थान में कृषि जोत का आकार → **2.73 हेक्टेयर**

→ जोत का आकार बड़ा → बाड़मेर
" " " छोटे → डूंगरपुर

→ राज्य में कुल कृषि क्षेत्रफल का $\frac{2}{3}$ (65%) क्षेत्र खरीफ के समय व $\frac{1}{3}$ (35%) क्षेत्र रबी के समय बोया जाता है।

→ सर्वाधिक परती व बंजर भूमि वाला जिला → जैसलमेर
'' बीहड़ भूमि → धौलपुर

→ सर्वाधिक गोचर/चारागाह → बाड़मेर
– न्यूनतम गोचर/चारागाह भूमि → श्री गंगानगर

सर्वाधिक कृषि क्षेत्र → बाड़मेर
न्यूनतम कृषि क्षेत्र → राजसमंद

सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र → श्री गंगानगर (87%)
न्यूनतम सिंचित क्षेत्र → चुरू (5%)

→ राज्य मे तिलहन फसलों मे सर्वाधिक उत्पादन सरसों व राई का दलहन मे चना व अनाज मे गेहूं का होता है।

→ राज्य मे खरीफ के मौसम मे सर्वाधिक क्षेत्रफल पर बाजरा एवं रबी के मौसम मे सर्वाधिक क्षेत्रफल पर गेहूं बोया जाता है।

कृषि क्षेत्र का GDP मे योगदान लगभग - 25 से 30% रहता है

→ राज्य मे कृषि गणना → कृषि, सहकारिता विभाग द्वारा करवाई जाती है
5 वर्ष के अन्तराल से

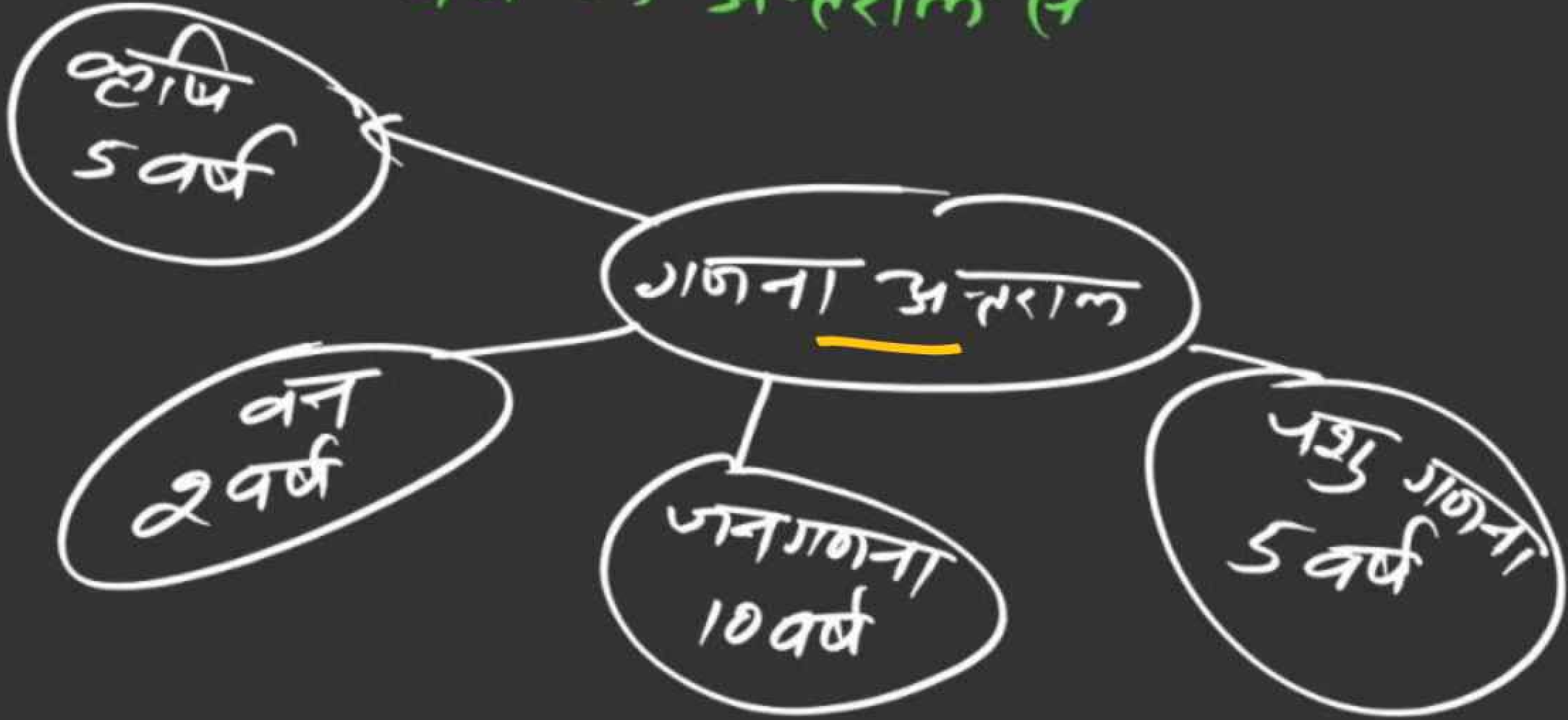

प्रथम कृषि गणना - 1970-71 मे
नवीन कृषि गणना - 2019
2019 की गणना क्रम की दृष्टी से - 10वीं कृषि गणना है।

→ निजी क्षेत्र की प्रथम कृषि मंडी - कैथुन (कोटा) मे 29/11/2005
आस्ट्रेलिया के सहयोग से स्थापित की गई।

→ केवल कृषि की जानकारी देने वाला रेडियो स्टेशन → भीलवाड़ा
→ खेती बाड़ी कृषि दर्शन एंव बागवानी कार्यक्रम - जयपुर से चलता है
→ खेती री बाता चौपाल → सूरतगढ़ (श्री गंगानगर) से प्रसारित

कृषि के प्रकार

① जैविक खेत | ऑर्गेनिक फार्मिंग → रासायनिक खाद का उपयोग नही करते

Note → ① राजस्थान मे जैविक खेती का जनक
↳ नन्द किशोर (हरिपुरा) कोटा

② भारत का जैविक राज्य - सिक्किम

③ राजस्थान का जैविक जिला - डूँगरपुर

④ राज्य की प्रथम जैविक मंडी - डूँगरपुर

⑤ राज्य का जैविक गाँव → जयसमंद घाटी (उदयपुर)

② मिश्रित खेती → एक फसल के साथ अन्य फसल मिलाकर बोना

③ मिश्रित कृषि → खेती व पशुपालन एक साथ करना

④ गहन कृषि → जनसंख्या अधिक कृषि क्षेत्र कम

⑤ वालरा / स्थानांतरित / चिमाता / झुमिंग खेती → पहाड़ी क्षेत्रों मे वनों को साफ करके करना यह एक अस्थायी खेती

⑥ दजिया कृषि → मैदानी क्षेत्र मे

⑦ बारानी कृषि → मरुस्थलीय जिलों मे / वर्षा पर निर्भर

⑧ रिले क्रोपिंग → एक फसल की कटाई से पहले दूसरी फसल बोना

⑨ कृषि वानिकी → खेती व बागवानी एक साथ करना

⑩ रोपण कृषि → विशेष खेती जैसे चाय, रबड़, कटवा उत्पादन

⑪ समोच्च / पट्टीदार खेती → फसल की बुआई ढाल के विपरीत करना मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए।

प्रमुख क्रांति

हरित क्रांति :→

- → उद्देश्य → PB+HR+UP गेहूँ व चावल का उत्पादन बढाना
- → सर्वाधिक प्रभाव – गेहूँ की फसल पर
- → विश्व मे जनक → नॉर्मन बोरलोग (मैक्सिको)
- → भारत मे जनक → M.S. स्वामीनाथन (बेंगलुरु)
- → भारत मे शुरुआत → 1967-68
- → राजस्थान के शामिल जिले → हनुमानगढ, श्री गंगानगर
- → वर्तमान मे शामिल फसल → (6) गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का रागी

→ श्वेत क्रांति → दुग्ध उत्पादन बढ़ाना (जनक - वर्गीज कुरियन)
→ दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु ऑपरेशन फ्लड अभियान शुरू (1970)

→ अमृत क्रांति → नदी जोड़ो अभियान
→ (प्रधान मंत्री नदी जोड़ो अभियान के तहत राज्य की सर्वप्रथम काली सिन्ध व परवन नदियों को जोड़ा गया)

→ सुनहरी क्रांति / स्वर्ण → फल फूल व बागवानी

लाल क्रांति → टमाटर | मांस

काली क्रांति → क्रूड ऑयल / पेट्रोलियम उत्पादन

पीली क्रांति → तिलहन उत्पादन

नीली क्रांति - मत्स्य उत्पादन

गोल क्रांति - आलू

गुलाबी क्रांति → झींगा मछली

गंगा क्रांति – भ्रष्टाचार के खिलाफ सदाचार हेतु
रजत " – अंडा उत्पादन
सिल्वर फाइबर " – कपास
सन राइज " – इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद
बादामी – मसाला उत्पादन
सदाबहार – जैविक खेती
मूक – मोटे अनाज का उत्पादन
भूरी – खाद्यान्न हेतु
परामनी – भिण्डी उत्पादन
धूसर – सिमेन्ट
इन्द्रधनुष – सभी क्रांतियो पर नियंत्रण

स्लेटी ग्रे क्रांति - उर्वरकों

NH क्रांति - स्वर्णिम चतुर्भुज हेतु

प्रोटीन ,, दलहन उत्पादन

खाकी ,, चमड़ा

सेफ्रॉन ,, केसर

ग्रीन गोल्ड ,, चाय

ग्रीन हरित ,, पॉल्ट

कृषि विज्ञान की शाखाएं

1. सेरी कल्चर → रेशम कीट पालन (कृत्रिम रूप से रेशम कीट पालने को रेशम कृषि कहते है)
   रेशम कीट शहतूत के पेड़ पर पालते है
2. एपी " → मधुमक्खी पालन
3. विटी " → अंगूर की खेती
4. वर्मी " → केंचुआ पालन (किसान का मित्र कीट)
5. फ्लोरी " → फूलों की खेती
6. सिल्वी " → वनों की खेती
7. पिसी → मत्स्य
8. हर्टी → बागवानी

ओलिरीकल्चर – सब्जी
मोनो " – एक बार मे एक फसल
हाइड्रो " – पानी मे खेती
फ्रूटी " – फलों की खेती
आरबोरी " – वृक्ष व झाड़ीयां
ऐक्वा " – कृत्रिम रूप से जलीय जीव पालन
एग्रोनोमिक्स – भूमि व फसलों के प्रबन्धन का अध्ययन
एग्रोस्टोलाजी – घास का अध्ययन

प्रमुख कृषि अनुसंधान केन्द्र

① केन्द्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र → दुर्गापुरा (जयपुर) 1943

② केंद्रीय कृषि राज्य फार्म - ②

- → सूरतगढ़ (श्री गंगानगर) 1956
  - → सोवियत संघ के सहयोग से स्थापित
  - → एशिया का सबसे बड़ा फार्म
- → जैतसर (श्री गंगानगर) 1962
  - → कनाडा के सहयोग से स्थापित

③ राष्ट्रीय मसाला अनुसंधान केन्द्र → तबीजी (अजमेर) अप्रैल 2000

④ राष्ट्रीय शुष्क बागवानी संस्थान → बीछवाल (बीकानेर) (1993)

⑤ राष्ट्रीय सरसों अनु. केन्द्र → सेवर (भरतपुर) 20/oct/1993

⑥ खजूर अनु. केन्द्र → बीछवाल (बीकानेर)

⑦ खजूर पौध प्रयोगशाला → चौपासनी (जोधपुर) 2013

⑧ कैर जीन बैंक → बीछवाल (बीकानेर)
→ चीन के सहयोग से स्थापित

⑨ जैतून तेल रिफाइनरी → लूणकरण सर (बीकानेर) 2015

कृषि विकास हेतु प्रयासरत प्रमुख संस्थान

① कृषि विपणन निदेशालय → 1980 (जयपुर)
→ उद्देश्य → कृषिकों को उपज का उचित मूल्य दिलवाने हेतु राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा स्थापित संस्था

② राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड :→ 6/जून/1974 (जयपुर)
→ उद्देश्य → मंडियों की स्थापना व मूल्य निर्धारण

③ राजस्थान राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्थान :→ 1977 (जयपुर)

④ राजस्थान राज्य क्रय विक्रय सहकारी संघ - 1957 (जयपुर)
→ उद्देश्य → कृषिकों को मार्गदर्शन कराना व खाद बीज उपलब्ध करवाना

(5) तिलहन संघ – 1990 (जयपुर)

→ उद्देश्य → तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाना व सरकारी खरीद

(6) राजस्थान राज्य भण्डारण नि. लि. → 1957 (जयपुर)

(7) राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान → 1998 (टोंक)

(राज्य में प्रमुख कृषि विश्वविद्यालय)

① मोहन लाल सुखाड़िया कृषि वि.वि. - उदयपुर (स्थापना - 1962)

- यह राज्य का पहला कृषि वि.वि. है।
- इस विश्व विद्यालय से 1987 में कृषि संकाय अलग कर राजस्थान कृषि वि.वि. के नाम से बीकानेर में स्थापित कर दिया → 9 जून 2009 को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय से नाम परिवर्तन कर स्वामी केशवानन्द कृषि वि.वि. कर दिया।

(2) महाराणा प्रताप कृषि वि.वि. → उदयपुर

↳ 1/Nov/1999

(3) कर्ण नरेन्द्र कृषि वि.वि. → जोबनेर (जयपुर)

↳ 2013

(4) कृषि वि.वि. मंडोर (जोधपुर)

↳ 2013

(5) कोटा कृषि वि.वि. कोटा

↳ 2013

प्रमुख फसले

① खरीफ / सावनी / स्यालू :→

Trick खरीफ का जुन जुन सित मे रंग लाएगा
(जुन-जुलाई बुआई / बीजाई; सितम्बर कटाई)

(बीजाई - जुन - जुलाई, कटाई - सितम्बर, अक्टूबर)

चावल, ज्यार, कपास, ज्वार, गन्ना, बाजरा, तम्बाकू, मक्का, मूंगफली, अरण्डी, तिल

② रबी / हाड़ी / उनालू :→

रबी अमा को प्यारी
(अक्टूबर - नवम्बर बुआई; मार्च-अप्रैल कटाई)

(बीजाई → अक्टूबर - नवम्बर
कटाई → मार्च - अप्रैल)

सच मे जौ तारा जी इस अफीम के मच मे आलसी हो गई

सरसों, चना, मैथी, जौ, तारामीरा, जीरा, इसबगोल, अफीम, मटर, धनिया, मसूर, अलसी, लोबिया, गेहूँ

नोट :→ चना व मसूर दलहन फसल रबी मे होती है। अन्य सभी दालें खरीफ के समय होती है।

③ जायद की फसल :→

अप्रैल - मई - जुन

तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, मतीरा

① बाजरा :→

मूलत पौधा → अफ्रीका

रेगिस्तान का गौरव

भारत मे सर्वाधिक बाजरा - राजस्थान

नोट - पुरे भारत का 40% बाजरा राजस्थान मे होता है

- सर्वाधिक उत्पादन — # अलवर *
- सर्वाधिक क्षेत्रफल — बाड़मेर

अनुसंधान केन्द्र → मंडोर (जोधपुर)

किस्म → MH-179, नंदी, शंकर

मक्का :→

विश्व → USA

भारत → कर्नाटक

राजस्थान का स्थान = (4)

- उत्पादन — भीलवाड़ा
- क्षेत्रफल — भीलवाड़ा

पत्तियों से बना चारा → साइलेज

किस्म → माही कंचन, माही धवल, मोती कंपोजिट, सविता

अनुसंधान केन्द्र → बाँसवाड़ा

ज्वार :→

विश्व - चीन

भारत → महाराष्ट्र

राजस्थान का स्थान - (4)

उत्पादन	क्षेत्रफल
अजमेर	अजमेर

किस्म → राजस्थान-चरी, ICSV-10

अनुसंधान केन्द्र → वल्लभनगर (उदयपुर)

चावल :→ विश्व - चीन
भारत → प. बंगाल
राजस्थान का स्थान → 21 वाँ

उत्पादन → बूंदी
क्षेत्रफल → बूंदी

बासमती चावल सर्वाधिक - बूंदी
किस्म → माही सुगंधा, बासमती, कावेरी, चंबल, परमाल
अनुसंधान केन्द्र → बाँसवाड़ा

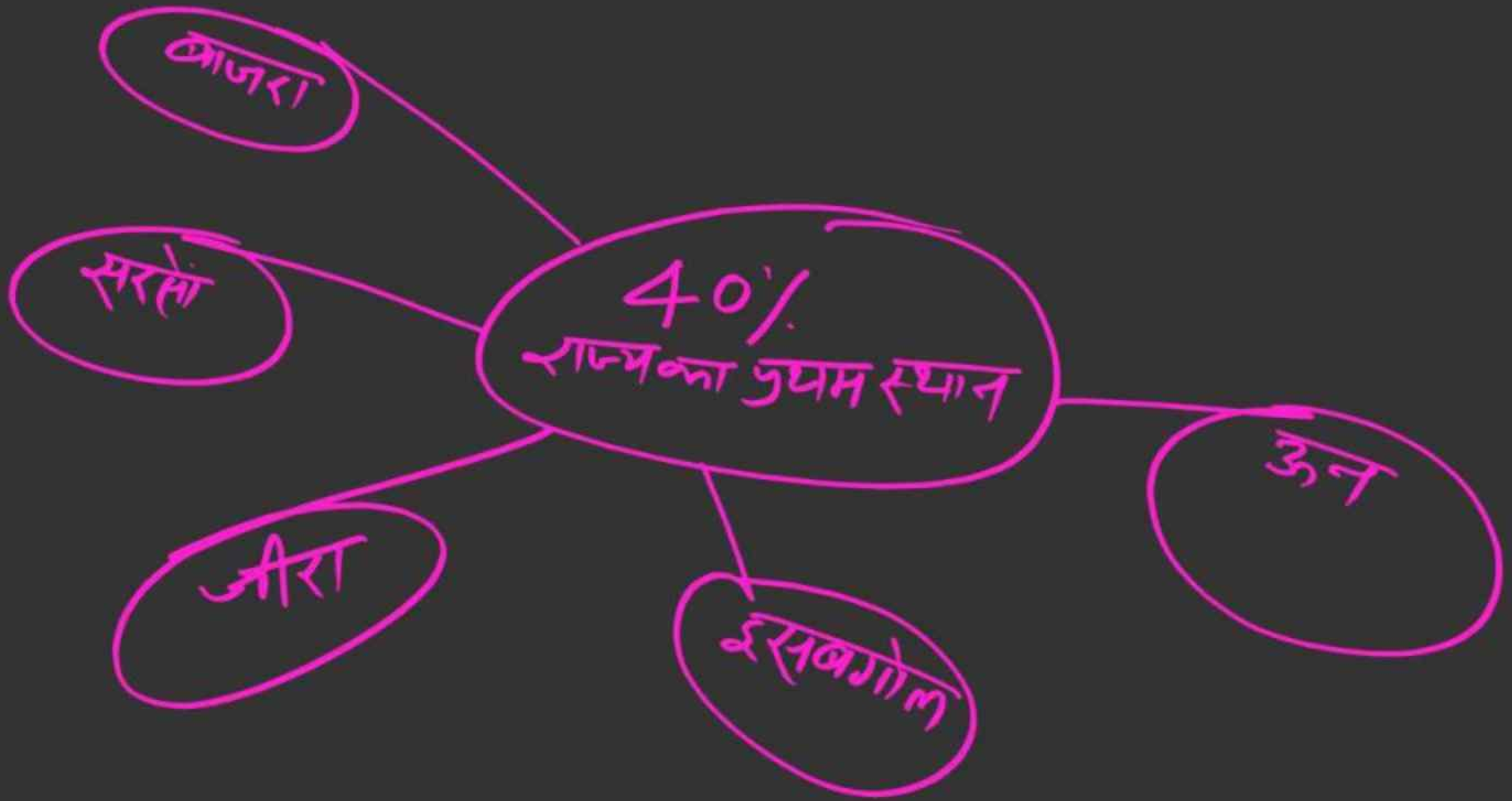
40%
राज्य का प्रथम स्थान
बाजरा
सरसों
जीरा
इसबगोल
ऊन

चावल →

वर्षा - 100-150 सेमी

तापमान - 20°C-30°C

मूंगफली :→

विश्व → चीन

भारत → गुजरात

राजस्थान का स्थान = 2

- उत्पादन — बीकानेर
- क्षेत्रफल — बीकानेर

→ राजस्थान का राजकोट → लूणकरणसर (बीकानेर)

→ खाद्यान हेतु उपयोगी मूंगफली की मंडी के कारण लूणकरणसर को राजस्थान का राजकोट कहा जाता है।

→ किस्म → चन्द्रा, RSB-87, RS-1

तापमान → 25°C - 30°C

वर्षा → 50-125 सेमी

तिल :→ भारत → उत्तर प्रदेश

राजस्थान का स्थान = (2)

- उत्पादन → पाली
- क्षेत्रफल → पाली

वर्षा → 75-110 सेमी

तापमान → 25°C-35°C

गन्ना : → विश्व - ब्राजील

भारत - उत्तर प्रदेश

राज्य का स्थान → 19वाँ

- उत्पादन — श्री गंगानगर
- क्षेत्रफल — श्री गंगानगर

वर्षा → 125 - 165 सेमी

तापमान → 15°C - 25°C

को. 419, CO997 CO.1111 CO.79

कपास : → उपनाम → सफेद सोना, वाणिज्य फसल, प्लेटिनम

विश्व → चीन

भारत → गुजरात

राजस्थान का स्थान ⇒ (4)

- उत्पादन — श्रीगंगानगर
- क्षेत्रफल — हनुमानगढ़

किस्म → बीकानेरी नरमा अगेती

मालवी कपास – कोटा संभाग

देशी कपास – उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़

अमेरिकन कपास – गंगानगर, बाँसवाड़ा।

कपास की रोग सहायक फसल - भिंडी

ओटाई → रुई व बिनौला अलग करने की क्रिया।

गेहूँ :→ विश्व → चीन

भारत → उत्तर प्रदेश

राजस्थान का स्थान = (4)

- # उत्पादन — बारां
- क्षेत्रफल — श्री गंगानगर

वर्षा → 50-80 सेमी

तापमान - 10°C-30°C

किस्म → सोना कल्याण, सोनालिका, मैक्सिकन, कोहीनूर, लालबहादुर मंगला, गंगा सुनहरी, दुर्गापुरा-65, शरबती, 1482, 3077, राज. 821, 1114, खर्चिया

नोट → खर्चिया किस्म की गेहूं पाली मे सर्वाधिक होती है।

जौ → विश्व - रूस

भारत → उत्तर प्रदेश

उपयोग → बीयर व एल्कोहल

राजस्थान का स्थान → (2)

उत्पादन
- श्री गंगानगर
- जयपुर

क्षेत्रफल
- श्री गंगानगर
- जयपुर

तापमान - 20°C - 25°C

वर्षा - 50-80 सेमी

किस्म → ज्योति, राज किरण, RD2035, RD2058

चना :→

भारत - UP

राजस्थान का स्थान (2)

- उत्पादन → अजमेर
- क्षेत्रफल → चुरू

किस्में → अनुभव, वरदान, अर्पणा, सम्राट, काबुली C-235, SG94

सरसों :→ भारत मे सर्वाधिक - राजस्थान

उत्पादन
अलवर

क्षेत्रफल
टोंक

वर्षा - 75-100 सेमी

तापमान - 20°C-25°C

किस्में → पूसा कल्याण, वरुणा, दुर्गामणी, राजलक्ष्मी,

होहोबा / जोजोबा :→

पौधा - मैक्सिको
↓
इजरायल
↓
भारत - मे इस पौधे को काजरी के वैज्ञानिक लेकर आए थे।

राजस्थान मे होहोबा फार्म → ① ढूँढ (जयपुर)
② फतेहपुर (सीकर)

राज्य मे सर्वाधिक होहोबा की खेती - जोधपुर

नोट :→ काजरी → केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान केन्द्र - जोधपुर

स्थापना → 1959

उद्देश्य → शुष्क व अर्द्ध शुष्क क्षेत्र मे बागवानी को बढ़ावा देना

क्षेत्रीय अनु. केन्द्र - जैसलमेर, बीकानेर, पाली, भुज (गुजरात)

कृषि विज्ञान केन्द्र - पाली, जोधपुर

मृदा संरक्षण क्षेत्र - चाँदन (जैसलमेर) बीछवाल (बीकानेर)

जीरा :→ भारत मे सर्वाधिक – राजस्थान

- उत्पादन – जोधपुर
- क्षेत्रफल – बाड़मेर

ईसबगोल : → उपनाम - घोड़ा जीरा

भारत मे सर्वाधिक - राजस्थान

उत्पादन — बाड़मेर

क्षेत्रफल — बाड़मेर

→ ईसबगोल का कारखाना → आबूरोड़ (सिरोही)

→ अनुसंधान केन्द्र → मंडोर (जोधपुर)

नोट → बाजरा अनुसंधान केन्द्र → बाड़मेर मे खोलने की घोषणा - 2023 मे की गई

तंबाकू :→

किस्में → निकोटिन टूबेकम, निकोटिन रासटिका

राज्य में सर्वाधिक → आन्ध्र

अनुसंधान केन्द्र → राजमुन्दरी (आन्ध्र प्रदेश)

तंबाकू को सुगन्धित करने हेतु घास → पामारोजा, रोसा घास

ज्वार → भीलवाड़ा

अरहर → बाँसवाड़ा

उड़द → सवाई माधोपुर

↳ भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने हेतु उड़द बोया जाता है।

नोट → भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने हेतु दलहन फसल बोते है।

अफीम → काला सोना

↳ चित्तौड़गढ़

अलसी → प्रतापगढ़

सोयाबीन → झालावाड़

अन्य

1. केला → बाँसवाड़ा
   आम - चित्तौड़गढ़
   आँवला → अजमेर
   नाशपाती → जयपुर
   मतीरा - टोंक
   चीकू → सिरोही
   नींबू - भरतपुर
   अनार - हनुमानगढ़
   पपीता → बूंदी

गुलाब - पुष्कर (अजमेर)
चैती गुलाब / दशामिक / सिरियाई गुलाब - हल्दीघाटी, खमनौर (राजसमंद)
अंजीर → श्री गंगानगर
खजूर → जोधपुर
मैथी → जोधपुर
पान मैथी → नागौर
↳ प्रसिद्ध → ताऊसर (नागौर)

शहतूत → जयपुर

हल्दी → उदयपुर

↳ पत्तिहैं → झाडोल (उदयपुर)

मेहन्दी → सोजत (पाली)

लाल सुर्ख मेहन्दी - गिलुण्ड (राजसमन्द)

गाजर → श्री गंगानगर

खरबूजा → सीकर

संतरा → झालावाड़

किन्नू → श्री गंगानगर

आलू → धौलपुर → किस्म - कुफरी

प्याज → सर्वाधिक - जोधपुर
मंडी → अलवर
प्रसिद्ध → रसीतपुरा (सीकर)

मिर्च → जोधपुर (लाल मिर्च मथानिया (जोधपुर) की प्रसिद्ध है।

सीताफल → राजसमंद, चित्तौड़गढ़

रामफल → चित्तौड़गढ़

चुकन्दर → श्री गंगानगर

सूरजमुखी → झालावाड़.